वाक्य विश्लेषण

पदबंध (phrase)

शब्द :- एक या एक से अधिक अक्षरों से मिलकर बनी सार्थक ईकाई शब्द कहलाती है।

उदाहरणार्थ :- 1) राम/घर/ जाना

2) श्याम/आम खाना

3) हाँ ना लिखना

पद :- शब्द शब्दकोष मै होते है लेकिन जब यह शब्द किसी वाक्य के अंग बनकर आते है और वाक्य मे कोई व्याकरणिक कार्य करते है तो वह पद कहलाते है।

उदाहरणार्थ :- 1) राम अपने घर गया।

2) श्यामने आम खाया।

3) सिताने निबंध लिखा।

परिभाषा :- "दो या दो से अधिक पदों काऐसा समूह जो परस्पर संयुक्त होकर वाक्य में एक ईकाई के रूप में व्याकरणिक कार्य करता है तो उसे पदबंध कहते है।"

उदाहरणार्थ :- 1) घबराया हूआ राम अपने घर गया।

2) बहूत तेजी से शामने आम खाया।

3) जल्दी जल्दी लिखकर सिताने निबंध पूरा किया।

प्रकार :-

वाक्य मे पदबंधो के कार्यो के आधार पर उनके निम्नलिखीत प्रकार माने गए हैं।

1) सज्ञा पदबंध :-

2) सर्वनाम पदबंध :-

3) विशेषण पदबंध :-

4) क्रियाविशेषण पदबंध :-

5) क्रिया पदबंध :-

1) <u>सज्ञा पदबंध</u> (noun phrase) :-

"वाक्य में संज्ञा के रूप में कार्य करने वाला पद समुह संज्ञा पदबंध कहलाता हैं। इस में सज्ञा पदरूपही प्रमुख और अंतीम होता है तथा अन्य पद उसपर आश्रित होते है। यह कर्ता / कर्म / के स्थान पर प्रयुक्त होता है।

उदाहरणार्थ :-

1) <u>दिन में दस घंटे पढने वाला उत्कर्ष</u> प्रथम श्रेणी में पास होगा।

2) <u>आसमान में उडता हुआ जहाज</u> जल उठा।

3) <u>स्वतंत्रता दिलानेवाले राष्ट्रपिता म. गांधीजी</u> अमर है।

2) <u>सर्वनाम पदबंध</u> (Pronoun phrase) :-

"वाक्य में सर्वनाम के स्थान पर व्याकरणिक कार्य करने वाले पदबंध को पदबंध कहते है।" सर्वनाम पद ही प्रधान और अंतिम होता है। अन्य पद उसपर आश्रित होते है।

उदाहरणाथ :-

1) <u>भाग्य के सहारे आगे बढने वाला वह</u> पंजाब जा रहा है।

2) <u>दूसरों के सामने गिडगिडाने वाले तुम</u> मेरे सामनेशेरबन रहे हो।

3) <u>झाँसी की राणी कहलानेवाली वह</u> अंत तक लडती रही।

3) <u>विशेषण पदबंध</u> (Adjective phrase) :-

"वाक्य में विशेषण के रूप में कार्य करनेवाला पदसमुह विशेषण पदबंध कहलाता है।" इस वाक्य में प्रधान और अंतिम पद विशेषण ही होते है, तथा अन्य पद उसपर आश्रित होते है, यह हमेशा संज्ञा पद के अंग रूप में कार्य करता हैं।

उदाहरणार्थ :-

1) तेज चलनेवाली गाडी जल्दी पोहचती है।

2) रंग कुंद सी धवल दंत पंक्तियों किसे नही मोह लेगी?

3) लाल रंग का वह फुल मुरझा गया।

4) क्रियाविशेषण पदबंध (Adverb phrase) :-

"जिस वाक्य में क्रियाविशेषण पद प्रधान और अंतिम होता हैं। तथा अन्य पद उसके सहाय्यक होते हैं। उसे क्रियाविशेषण पदबंध कहते है। क्रिया का विशेषण रुप होने से यह हमेशा मुख्य क्रिया के पहले आता है।

उदाहरणार्थ :-

1) भारती आवश्यकता से कही अधिक हसती है।

2) मदन घायल शेर की तरह दहाडता हुआ बढ गया।

3) धीरे - धीरे चलता हुआ काफिला मुड गया।

5) क्रियापदबंध :-

जिस पदबंध में क्रिया यह पद प्रधान और अंतिम होता है तथा अन्य पद उसके सहाय्यक होते है। उसे क्रिया पदबंध कहते है। इसमे मुख्य क्रिया पहले आती है तथा अन्य क्रिया बाद में लगकर पूरक रुप में कार्य करती है।

उदाहरणार्थ :-

1) हम पढकर सो जाया करते है।

2) चोट लगने पर वह बेहोश होती चली गयी।

3) ऑपरेशन के बाद उसकी आँखे जाती रही।

इस तरह पदबंध के पाँच प्रकार दिखाई पडते है।